Demand to release Indian Fishermen from Pakistani prisons

श्री उमेषभाई बाबूभाई पटेल (दमन और दीव) : धन्यवाद सभापति महोदया । मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान एक अति महत्वपूर्ण विषय की ओर दिलाना चाहता हूं । हमारा केंद्र शासित प्रदेश दमन एवं दीव समुद्र किनारे बसा हुआ प्रदेश है, जहां मछली मारना एक महत्वपूर्ण व्यवसाय है रोजगार का एकमात्र साधन भी माना जा सकता है । हमारे ज्यादातर मछुआरे कम पढ़े-लिखे होते हैं, जिनको समुद्री सीमाओं का ज्ञान नहीं होता, जिसके चलते समुद्र में मछली पकड़ते समय गलती से पड़ोसी देश पाकिस्तान की सीमा में पहुंच जाते हैं और वह निर्दोष गरीब मछुआरा पाकिस्तान की जेल में पहुंच जाता है ।

ऐसे काफी गरीब मछुआरे पाकिस्तान की जेलों में वर्षों से बंद हैं । उनमें काफी बुजुर्ग और बीमार मछुआरे हैं । कहा जाता है कि पाकिस्तान की जेल में बंद अनेक मछुआरों की हालत बहुत खराब है । वे कभी भी मर सकते हैं । पाकिस्तान की जेलों में बंद मछुआरों को अनेक प्रकार की यातनाएं और पीड़ाएं दी जा रही है । पाकिस्तान की जेल में बंद मछुआरे इस बारे में लिखित में अपने परिवारजनों को दे रहे हैं ।

महोदया, अनेक मछुआरों को तो पाकिस्तान की कोर्ट ने बरी भी कर दिया है, लेकिन किन्हीं कारणों से अभी तक वहां की सरकार ने उनको रिहा नहीं किया है । मेरा भारत सरकार से निवेदन है कि मेरे संसदीय क्षेत्र दमन और दीव सहित पूरे देश के मछुआरे, जो पाकिस्तान की जेलों में बंद हैं, उनको अतिशीघ्र रिहा करवाकर भारत लाने की कृपा की जाए और हमारी समुद्री सीमाओं को मजबूती किया जाए, ताकि हमारे निर्दोष मछुआरे पड़ोसी सीमा में न पहुंच पाएं ।

महोदया, इसके साथ ही मेरा आपसे निवेदन है कि हमारे देश में प्रतिबंधित लाइम फिशिंग, लाइट फिशिंग, फिक्स बोया फिशिंग और काबा फिशिंग बंद करवाई जाए । काफी लोगों ने समुद्र पर कब्जा कर रखा है, जिससे हमारे मछुआरों को फिशिंग के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता है । वे सीमा लांघ जाते हैं और पाकिस्तान में बंद हो जाते हैं । मेरा आपसे निवेदन है कि हमारे मछुआरों की रक्षा की जाए ।